चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22-02-25	2	2-4

ग्रामीण महिलाएं उद्यमिता से अपनी आर्थिक स्थिति कर सकती हैं सुदृढ़

प्रदर्शनी का अवलोकन करते कुलपति प्रो . बीआर काम्बोज • जागरण

जागरण संवाददाता • हिसार : कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोड़ने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं।

यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं की तरफ से सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कही।

अधिष्ठाता डा. बीना यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों सहित विभिन्न विषयों के बारे जानकारी दी गई। प्राध्यापिका डा. वंदना वर्मा, डा. कविता दुआ, डा. इला रानी, डा. प्रोमिला चहल, डा. नेहा व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री, गांव सरसौद की सरपंच सुनीता व प्रदीप भ्याण मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	22-02-25	3	6-8

उद्यमिता से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकती हैं: प्रो. काम्बोज

हकृवि द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए

हिसार, 21 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोड़ने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों सहित विभिन्न विषयों के बारे जानकारी दी गई। समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई। कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. कविता दुआ, डॉ. इला रानी, डॉ. प्रोमिला चहल, डॉ. नेहा, डॉ. रजनी, डॉ. अन्नु, डॉ. रीना, डॉ. शालिनी रूखाया व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री, गांव सरसौद की सरपंच सुनीता व समाजसेवी प्रदीप ध्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22.02.25	5	1-5

उद्यमिता से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकती हैं : प्रो. काम्बोज

हिसार, 21 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोडने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनीखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। हकृवि इस दिशा में अहम भूमिका निभाते हुए महिलाओं के लिए विभिन्न तरह के प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं उस क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित कर आगे बढ़ रही हैं। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों सहित विभिन्न विषयों के बारे जानकारी दी गई। समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई। कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. कविता दुआ, डॉ. इला रानी, डॉ. प्रोमिला चहल, डॉ. नेहा, डॉ. रजनी, डॉ. अन्नु, डॉ. रीना, डॉ. शालिनी रूखाया व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री, गांव सरसौद की सरपंच सुनीता व समाजसेवी प्रदीप भ्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में डॉ. सरोज यादव ने सभी गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	22-02-25	2	6-8

उद्यमिता से सुधरेगी ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति : प्रो. बीआर कांबोज

सरसौद में प्रदर्शनी का अवलोकन करते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। स्रोत : आयोजक

बरवाला/हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं की ओर से गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के प्रदर्शनी लगाई गई। समापन अवसर पर कुलपति प्रो. बीआर कांबोज मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है। उद्यमिता से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई।

उन्होंने कहा कि एचएयू महिलाओं के लिए विभिन्न तरह के प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं उस क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित कर आगे बढ़ रही हैं। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने बताया कि अंतिम वर्ष की छात्राओं की ओर से पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों सहित विभिन्न विषयों के बारे जानकारी दी गई। इस मौके पर रामदास शास्त्री, सरपंच सुनीता, प्रदीप भ्याण, डॉ. सरोज आदि रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	22.02.25	12	2.7

सरसौद गांव में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न

उद्यमिता से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करें महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोडने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई।

हिसार। रिबन काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

सामुदायिक विज्ञान कॉलेज ने किया आयोजन

कुलपति प्रो. काम्बोज शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं की ओर से गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के तहत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के समापन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. कविता दुआ, डॉ. इला रानी, डॉ. प्रोमिला चहल, डॉ. नेहा, डॉ. रजनी, डॉ. अन्नु, डॉ. रीना, डॉ. शालिनी रूखाया व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री, गांव सरसौद की सरपंच सुनीता व समाजसेवी प्रदीप भ्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में डॉ. सरोज यादव ने सभी गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.02.2025	--	--

'उद्यमिता से महिलाएं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकती हैं'

हकृवि द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव के अंतर्गत कार्यक्रम संपन्न

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कुलपति।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोड़ने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। हकृवि इस दिशा में अहम भूमिका निभाते हुए महिलाओं के लिए विभिन्न तरह के प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई। कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. कविता दुआ, डॉ. इला रानी, डॉ. प्रोमिला चहल, डॉ. नेहा, डॉ. रजनी, डॉ. अन्नु, डॉ. रीना, डॉ. शालिनी रूखाया व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	21.02.2025	--	--

उद्यमिता से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति कर सकती हैं सुदृढ़ : प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा गांव सरसौद में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे जबकि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव स्नातक पाठ्यक्रम की एक उत्कृष्ट पहल है, जो छात्राओं को ग्रामीण समुदाय के साथ जोड़ने और ग्रामीण परिवेश में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का एक अनोखा अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई एवं कढ़ाई का अनुभव बहुत जरूरी है। उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था एवं पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के ज्ञान, कौशल, जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास में परिवर्तन लाने के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। हकृवि इस दिशा में अहम भूमिका निभाते हुए महिलाओं के लिए विभिन्न तरह के प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यहां से प्रशिक्षण हासिल कर महिलाएं उस क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित कर आगे बढ़ रही हैं।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने बताया कि महाविद्यालय के अंतिम वर्ष की छात्राओं द्वारा रावे कार्यक्रम के तहत पौष्टिक व्यंजन एवं हस्तशिल्प की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। महिलाओं को मासिक धर्म, स्वच्छता, सिलाई-कढ़ाई, मशरूम की खेती, पोषण, वस्त्र विज्ञान, घरेलू कार्यों सहित विभिन्न विषयों के बारे जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी भी लगाई गई। कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान उपरोक्त महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. वंदना वर्मा, डॉ. कविता दुआ, डॉ. इला रानी, डॉ. प्रोमिला चहल, डॉ. नेहा, डॉ. रजनी, डॉ. अन्नु, डॉ. रीना, डॉ. शालिनी रूखाया व राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्राचार्य रामदास शास्त्री, गांव सरसौद की सरपंच सुनीता व समाजसेवी प्रदीप भ्याण का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-02-25	5	5 8

हकृवि में मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

कुलसचिव प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के साथ।

हिसार, 21 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में मातृभाषा दिवस पर मातृभाषा के माध्यम से प्रतिभा और क्षमता का विकास विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पवन कुमार मुख्य अतिथि रहे जबकि मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने अध्यक्षता की। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मातृ भाषाओं के संरक्षण, प्रचार और उनके महत्व पर प्रकाश डालने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। मातृभाषा के माध्यम से ही हम अपनी सोच, अभिव्यक्ति और जीवन की जटिलताओं को समझ सकते हैं। उन्होंने बताया की मातृभाषा दिवस का उद्देश्य न केवल मातृ भाषाओं के महत्व को बढ़ावा देना है बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि विश्वभर में लोग अपनी भाषाओं के प्रति सम्मान बनाएं रखें। मातृभाषा हमारे अस्तित्व की पहचान है और यही हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं और हमारे भावनाओं का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि मातृ भाषा को बोलने में हमें गर्व महसूस करना चाहिए। अनुसंधान और तकनीकी के क्षेत्र में मातृभाषा को बढावा मिलना चाहिए। कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। डॉ राजेश गेरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब संकल्प लेते हैं कि अपनी मातृभाषा को जीवित रखने के साथ-साथ उसे अपनी आने वाली पीढ़ियों तक पहुचाएंगें। हकृवि में मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। निबन्ध लेखन में दीपांशु कादयान ने प्रथम, निजी ने द्वितीय तथा चेतना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य प्रतियोगिता में दिव्या व मनीषा ने प्रथम एवं खुशबु व एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन में अल्का ने प्रथम एवं च्राहत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। पोस्टर मेकिंग में हेन्या ने प्रथम व भूमिका ने द्वितीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम व अन्जू रानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डॉ देवेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि · भूमि	22·02·25	11	2·8

हकृवि में मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

मातृभाषा हमारे अस्तित्व की पहचान: कुलसचिव

हिसार। कुलसचिव प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों के साथ।

निबंध में दीपांशु, काव्य में दिव्या, स्लोगन में अल्का, पोस्टर में हेन्या व भाषण में अंजली प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में मातृभाषा दिवस पर मातृभाषा के माध्यम से प्रतिभा और क्षमता का विकास विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार मुख्य अतिथि रहे जबकि मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा ने अध्यक्षता की। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मातृभाषा के माध्यम से ही हम अपनी सोच, अभिव्यक्ति और जीवन की जटिलताओं को समझ सकते हैं। उन्होंने बताया की मातृभाषा दिवस का उद्देश्य न केवल मातृ भाषाओं के महत्व को बढ़ावा देना है बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि विश्वभर में लोग अपनी भाषाओं के प्रति सम्मान बनाएं रखें। मातृभाषा हमारे अस्तित्व की पहचान है और यही हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं और हमारे भावनाओं का सशक्त माध्यम भी है। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।

ये रहे विजेता

हकृवि में मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। निबन्ध लेखन में दीपांशु कादयान ने प्रथम, निजी ने द्वितीय तथा चेतना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य प्रतियोगिता में दिव्या व मनीषा ने प्रथम एवं खुशबु व एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन में अल्का ने प्रथम एवं चाहत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। पोस्टर मेकिंग में हेन्या ने प्रथम व भूमिका ने द्वितीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम व अन्जू रानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डॉ देवेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	21.02.2025	--	--

हकृवि में मातृभाषा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में मातृभाषा दिवस पर मातृभाषा के माध्यम से प्रतिभा और क्षमता का विकास विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पवन कुमार मुख्य अतिथि रहे जबकि मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश गेरा ने अध्यक्षता की।

कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि मातृ भाषाओं के संरक्षण, प्रचार और उनके महत्व पर प्रकाश डालने के लिए प्रत्येक वर्ष 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाया जाता है। मातृभाषा के माध्यम से ही हम अपनी सोच, अभिव्यक्ति और जीवन की जटिलताओं को समझ सकते हैं। उन्होंने बताया की मातृभाषा दिवस का उद्देश्य न केवल मातृ भाषाओं के महत्व को बढ़ावा देना है बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि विश्वभर में लोग अपनी भाषाओं के प्रति सम्मान बनाएं रखें। मातृभाषा हमारे अस्तित्व की पहचान है और यही हमारी संस्कृति, हमारी परंपराओं और हमारे भावनाओं का सशक्त माध्यम भी है। उन्होनें कहा कि मातृ भाषा को बोलने में हमें गर्व महसूस करना चाहिए। अनुसंधान और तकनीकी के क्षेत्र में मातृभाषा को बढावा मिलना चाहिए। कुलसचिव डॉ पवन कुमार ने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया।

डॉ राजेश गेरा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब संकल्प लेते हैं कि अपनी मातृभाषा को जीवित रखने के साथ-साथ उसे अपनी आने वाली पीढियों तक पहुचाएंगें। हकृवि में मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। निबन्ध लेखन में दीपांशु कादयान ने प्रथम, निजी ने द्वितीय तथा चेतना ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्य प्रतियोगिता में दिव्या व मनीषा ने प्रथम एवं खुशबु व एकता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन में अल्का ने प्रथम एवं चाहत ने द्वितीय स्थान हासिल किया। पोस्टर मेकिंग में हेन्या ने प्रथम व भूमिका ने द्वितीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में अंजली ने प्रथम व अन्जू रानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डॉ देवेन्द्र सिंह ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा, स्नातकोत्तर शिक्षा अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित